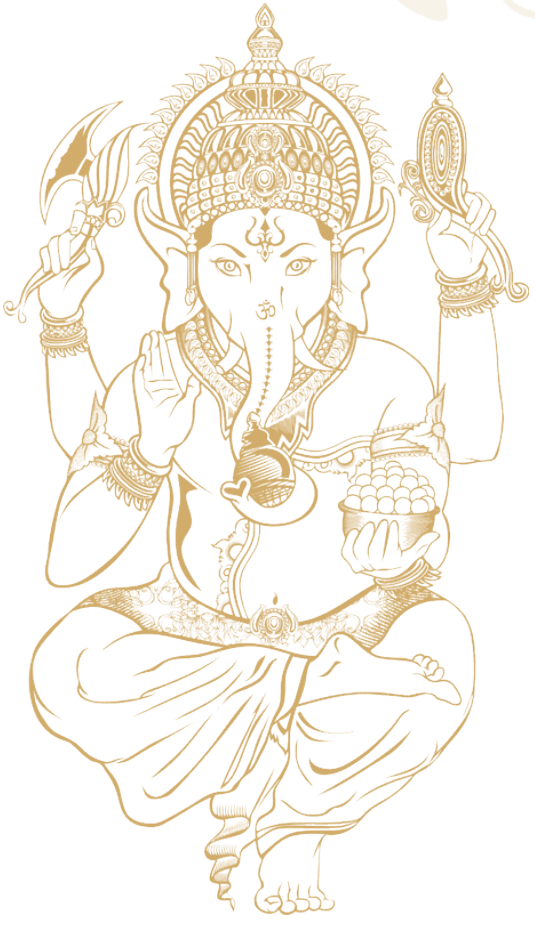

Jivaansh

19 Jan 2026

10:03 PM

Ottawa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121124902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/01/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**22:03:00 घंटे**
इष्ट	36:06:31 घटी
स्थान	**Ottawa**
राज्य	Ontario
देश	Canada

अक्षांश	45:27:00 उत्तर
रेखांश	75:42:00 पश्चिम
मध्य रेखांश	75:00:00 पश्चिम
स्थानिक संस्कार	-00:02:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:00:12 घंटे
वेलान्तर	-00:10:47 घंटे
साम्पातिक काल	05:58:15 घंटे
सूर्योदय	07:36:23 घंटे
सूर्यास्त	16:51:27 घंटे
दिनमान	09:15:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:49:57 मकर
लग्न के अंश	05:26:53 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोकरन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:26:53	273:09:13	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			मक	05:49:57	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मक	20:54:29	12:44:24	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	03:14:21	00:46:40	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध		अ	मक	04:49:46	01:39:56	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:35:00	00:07:48	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	09:02:33	01:15:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	03:19:30	00:05:06	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:10:33	00:03:40	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:10:33	00:03:40	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:20:04	00:00:47	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:37:09	00:01:21	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:05:39	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	05:22:41	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

लग्न-चलित

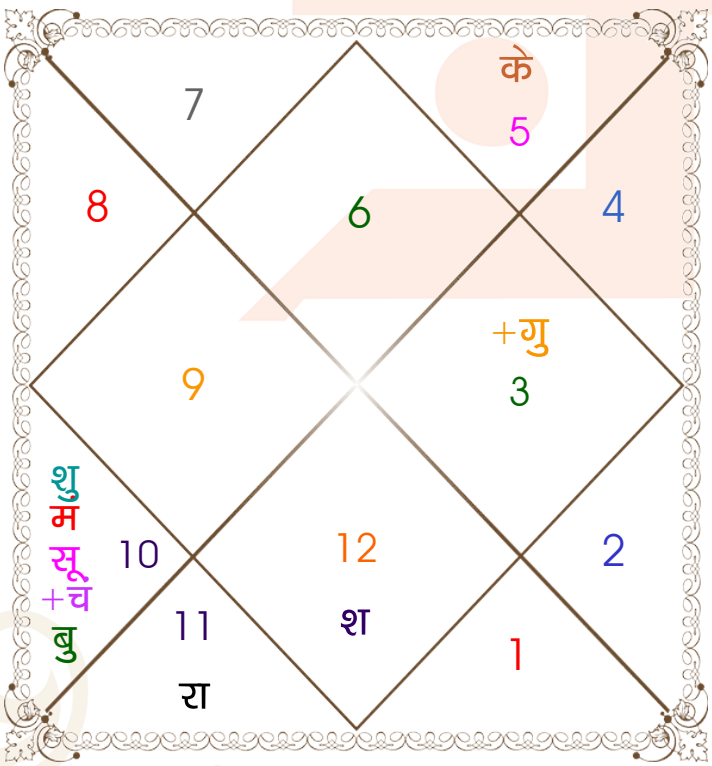

चन्द्र कुंडली

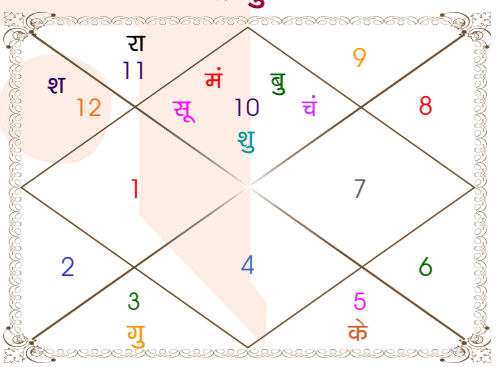

नवमांश कुंडली

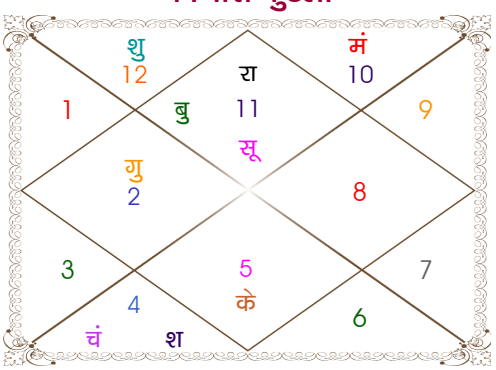

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 9 मास 25 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/01/2026		15/11/2027		15/11/2034		14/11/2052		14/11/2068	
15/11/2027		15/11/2034		14/11/2052		14/11/2068		15/11/2087	
	00/00/0000	मंगल	12/04/2028	राहु	28/07/2037	गुरु	02/01/2055	शनि	18/11/2071
	00/00/0000	राहु	30/04/2029	गुरु	21/12/2039	शनि	16/07/2057	बुध	28/07/2074
	00/00/0000	गुरु	06/04/2030	शनि	27/10/2042	बुध	21/10/2059	केतु	06/09/2075
	00/00/0000	शनि	16/05/2031	बुध	16/05/2045	केतु	26/09/2060	शुक्र	05/11/2078
	00/00/0000	बुध	12/05/2032	केतु	03/06/2046	शुक्र	28/05/2063	सूर्य	18/10/2079
	00/00/0000	केतु	09/10/2032	शुक्र	03/06/2049	सूर्य	16/03/2064	चंद्र	19/05/2081
	19/01/2026	शुक्र	09/12/2033	सूर्य	28/04/2050	चंद्र	16/07/2065	मंगल	28/06/2082
शुक्र	16/05/2027	सूर्य	15/04/2034	चंद्र	28/10/2051	मंगल	21/06/2066	राहु	04/05/2085
सूर्य	15/11/2027	चंद्र	15/11/2034	मंगल	14/11/2052	राहु	14/11/2068	गुरु	15/11/2087

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
15/11/2087		15/11/2104		16/11/2111		16/11/2131		15/11/2137	
15/11/2104		16/11/2111		16/11/2131		15/11/2137		00/00/0000	
बुध	12/04/2090	केतु	13/04/2105	शुक्र	17/03/2115	सूर्य	04/03/2132	चंद्र	16/09/2138
केतु	10/04/2091	शुक्र	13/06/2106	सूर्य	17/03/2116	चंद्र	03/09/2132	मंगल	17/04/2139
शुक्र	08/02/2094	सूर्य	19/10/2106	चंद्र	15/11/2117	मंगल	09/01/2133	राहु	16/10/2140
सूर्य	15/12/2094	चंद्र	20/05/2107	मंगल	15/01/2119	राहु	04/12/2133	गुरु	15/02/2142
चंद्र	15/05/2096	मंगल	16/10/2107	राहु	15/01/2122	गुरु	22/09/2134	शनि	16/09/2143
मंगल	13/05/2097	राहु	03/11/2108	गुरु	15/09/2124	शनि	04/09/2135	बुध	14/02/2145
राहु	30/11/2099	गुरु	10/10/2109	शनि	16/11/2127	बुध	10/07/2136	केतु	15/09/2145
गुरु	08/03/2102	शनि	19/11/2110	बुध	16/09/2130	केतु	15/11/2136	शुक्र	20/01/2146
शनि	15/11/2104	बुध	16/11/2111	केतु	16/11/2131	शुक्र	15/11/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 9 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।